हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, शनिवार, 10 मई 2025

11 मदर्स-डे पर विद्यार्थियों ने बनाए पोस्टर व ग्रीटिंग

12 हर मोर्चे पर खड़े रहने के लिए तैयार हैं पूर्व सैनिक

हाई अलर्ट पर प्रशासनिक अमला जिले में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध

■ अधिकारी बोले- साइबर अटैक का खतरा, मोबाइल पर कोई नया एप डाउनलोड न करें ■ ब्लैक आउट का सख्ती से पालन करें ■ संदिग्ध वस्तु दिखने पर तुरंत पुलिस हेल्पलाइन पर सूचना दें

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत व पाक के बीच बढ़े तनाव के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है। जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने कहा कि आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। पुलिस कर्मचारियों की छुट्टी बंद कर दी गई है और उन्हें ड्यूटी पर तैनात रहने के भी आदेश दिए हैं। जिले भर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर बिना जांचे कोई जानकारी साझा न करें। संदिग्ध या लावारिस वस्तु दिखने पर हेल्पलाइन 112 या पुलिस नियंत्रण कक्ष के मोबाइल नंबर 01251-254212 व 7056667275/76 पर संपर्क करें। जिला पुलिस आयुक्त ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि अफवाह फैलाएं नहीं बल्कि अफवाहों से बचें। हवाई जहाज को देखकर वीडियो ना बनाएं ना ऐसा कोई वीडियो सोशल मीडिया पर डालें जो हमारे देश के लिए अहितकारी हो सकता है।

जरूरी सामान इकट्ठा करें, एक दूसरे का ध्यान रखें : डॉ. राजश्री

ब्लैकआउट को लेकर जिला पुलिस आयुक्त ने कहा कि घर में खिड़की जंगलें पर डार्क कलर के पर्दे लगाकर रखें। क्योंकि हो सकता है आपने जो अब पर्दे लगा रखे हो उनमें से रोशनी छनकर बाहर जा रही हो क्योंकि जब ब्लैक आउट होता है तो माचिस की तिल्ली भी नहीं जलनी चाहिए और ब्लैक आउट में आपके मोबाइल की लाइट भी कई घरों को बर्बाद कर सकती है क्योंकि अगर हवाई जहाज से अटैक हो गया तो क्योंकि कहीं भी छोटी सी रोशनी उनको दिख जाएगी तो वो वहीं पर अटैक कर सकते हैं।

साइबर अटैक की संभावना

जिला पुलिस आयुक्त ने साइबर अटैक की संभावनाओं को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि कोई नई एप डाउनलोड नहीं करनी है, क्योंकि वो आतंक का भी एप हो सकता है इसलिए साइबर अटैक से बचें और नई कोई भी एप डाउनलोड ना करें।

उपायुक्त का अधिकारियों व कर्मियों को स्टेशन नहीं छोड़ने के निर्देश

झज्जर। शुक्रवार सुबह लघु सचिवालय स्थित विभिन्न विभागों के कार्यालयों का डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े कार्यों को पूरी तत्परता और समयबद्धता के साथ निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता नागरिकों को सुगम, पारदर्शी और प्रभावी सेवाएं उपलब्ध करवाना है, ऐसे में कार्य में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा कार्यालयों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित हों। स्टेशन न छोड़ने के निर्देश, आदेशों की सख्त पालना जरूरी : डीसी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर प्रदेश सरकार की ओर से अधिकारियों व कर्मचारियों को आगामी आदेशों तक स्टेशन नहीं छोड़ेगा के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों ने की मॉक ड्रिल की समीक्षा

झज्जर। शुक्रवार को डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने अधिकारियों के साथ मॉक ड्रिल की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों से सभी अवगत हैं इसलिए हर नागरिक को युद्ध काल के दौरान अपने आपको व संपत्ति को कैसे सुरक्षित रखना है, यह ज्ञान होना चाहिए। मॉक ड्रिल से काफी कुछ सीखने को मिला है। इस मुहिम को हर जिलावासी तक पहुंचाना है। इसके के लिए ग्राम पंचायतों, ब्लॉक समितियों, जिला व नगर पार्षदों, विभिन्न संगठनों व संघों आदि को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। ताकि प्रशिक्षण उपरांत ये प्रमुख लोग आगे आमजन को जागरूक कर सकें। उन्होंने सीएमओ को जिला में उपलब्ध सरकारी व गैर सरकारी चिकित्सा सुविधाओं को हर समय तैयार रखने को कहा। दवाई, ब्लड बैंक, वेंटिलेटर, बैड, ऑक्सीजन आपूर्ति आदि समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

आपातकालीन स्थिति के लिए डॉक्टर्स तैयार

झज्जर। शुक्रवार को डिजास्टर मैनेजमेंट पर सिविल सर्जन डॉक्टर जयमाला की अध्यक्षता में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में सिविल सर्जन डॉक्टर जयमाला ने कहा कि आमजन को ध्यान में रखते हुए आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों की भागीदारी होनी आवश्यक है। इसलिए हमें मिलजुलकर कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए की जिला स्तर पर कमेटी तैयार कर दी गई है। सभी संस्थाओं में कोई भी कमी ना हो, अगर किसी भी संस्था में कोई खामी पाई जाती है तो बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने, सभी संस्थाओं के डॉक्टर आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने, संस्थाओं में मैडिकल उपकरण व जेनरेटर वर्किंग कंडीशन में होने सहित अन्य निर्देश दिए।

लोवा खुर्द में मकान से आभूषण व नकदी चोरी

बहादुरगढ़। गांव लोवा खुर्द में स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर मकान से सोने, चांदी के आभूषण तथा नकदी चुरा ले गए। सदर थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वारदात विकास के मकान में हुई है। विकास का कहना है कि वह रेलवे में है और इन दिनों दिल्ली में पोस्टिंग है। छह मई की शाम को वह ड्यूटी पर चला गया। पीछे से मकान बंद था। फिर आठ मई को वापस आकर गेट खोला तो अंदर कमरे में सामान अस्त व्यस्त था। जांच करने पर इन्वर्टर गायब था। वहीं सोने की अंगूठी, चांदी की चेन, गुच्छा, तगड़ी, 15 हजार रुपये तथा मोबाइल गायब मिला। हमारे मकान के कमरे में छत की तरफ एक जंगला बना हुआ है। संभवतः उसी में से चोर घुसे और वारदात को अंजाम दे गए।

अनाज मंडी में गोदाम से तेल, चीनी और मैदा चोरी

बहादुरगढ़। अनाज मंडी स्थित एक गोदाम में चोरी हो गई। ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे और तेल, चीनी सहित काफी सामान पर हाथ साफ कर गए। गोदाम मालिक की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अग्रवाल कॉलोनी के निवासी महेश का कहना है कि उनकी किरयाणे की दुकान है। रात को दुकान और गोदाम बंद कर घर चले गए। इसी दौरान चोरों ने गोदाम को निशाना बनाया। सुबह जब दुकान पर आए तो गोदाम के गेट पर लगा ताला टूटा हुआ था। अंदर सामान अस्त व्यस्त था। जांच करने पर लक्ष्मी तेल के पांच किलो वाले 9 पैकेट, 30 किलो चीनी तथा करीब 200 किलो मैदा गायब मिला। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

एटीएम बूथों से छेड़छाड़ करने का आरोपी काबू, अदालत ने जेल भेजा

बहादुरगढ़। शहर में दो जगहों पर एटीएम से छेड़छाड़ और तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में वारदात कुबूल कर ली है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल, गत चार मई की रात को झज्जर रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ोदा के एटीएम बूथ में एक संदिग्ध युवक घुस गया था। पैसे चोरी करने के मकसद से उसने मशीन से छेड़छाड़ की। वहीं इसी रात मांडोठी बाजार में स्थित हिताची के एटीएम बूथ में भी वारदात हुई। यहां तो पूरी मशीन ही उखाड़ दी गई। गनीमत रही कि दोनों ही जगह कैश चोरी नहीं हो सका। बीओबी के एटीएम बूथ में लगे कैमरे में एक संदिग्ध युवक नजर आया था। पुलिस ने फुटेज के आधार पर पहचान के प्रयास किए। सिटी एसएचओ दिनकर यादव के मुताबिक, पुलिस टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी की पहचान मनोज के रूप में हुई है। बहादुरगढ़ की एक कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी ने वारदात कुबूल कर ली है। उसे जेल भेज दिया है।

बाईपास पर गाड़ी लूटने वालों का सुराग नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बाईपास पर हुई गाड़ी लूट की वारदात में 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों का कुछ सुराग नहीं लग पाया है। हालांकि पुलिस की कई टीमें मामले में भागदौड़ कर रही हैं। पुलिस द्वारा जल्द से जल्द वारदात सुलझाने की बात कही जा रही है।

■ हथियारबंद बदमाशों ने युवक को अगवा कर लूटी थी कार

दिल्ली जा रहा था युवक : वारदात वीरवार की शाम हुई थी। दरअसल, गाड़ी चालक संदीप सुनारिया से दिल्ली जा रहा था। यहां नजफगढ़ फ्लाईओवर के पास पहुंचा तो गाड़ी सवार तीन बदमाशों ने उसको रुकवा लिया और गाड़ी छीन ली। इसके बाद उसे गाड़ी में डालकर ले गए और मातन के पास छोड़ दिया। मामला संज्ञान में आने पर पुलिस ने भागदौड़ शुरू की। इलाके में घेराबंदी की और बड़े अधिकारियों ने भी बहादुरगढ़ का दौरा किया। वारदात के बाद से सिटी थाना, सीआईए सहित पुलिस की कई टीमें मामले में भागदौड़ कर रही हैं लेकिन 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बदमाश पुलिस के हाथ नहीं लग पाए हैं। उधर, सिटी थाना प्रभारी ने कहा कि मामले में जांच चल रही है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं है लेकिन जल्द ही मामले को सुलझा लेंगे।

छारा में तीन भाइयों पर लाठी व डंडों से हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव छारा में तीन भाईयों पर हमला कर दिया गया। लाठी, डंडों से वार किए गए। एक शख्स पर तो गाड़ी से टक्कर मारने की भी कोशिश की गई। गांव के ही कुछ युवकों पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला गांव छारा का है। यहां के निवासी सुभाष का कहना है कि मेरा छोटा भाई श्याम गांव के बगीची अखाड़े में गया था।

ये है मामला : वहां उसका कुछ युवकों के साथ विवाद हो गया। घर पर आकर उसने हमें जानकारी दी। फिर मैं, भाई सर्जन व श्याम बगीची में गए। हमने उन युवकों से पूछा कि श्याम के साथ झगड़ा क्यों किया तो वे हमसे गाली गलोच करने लगे। इसी दौरान एक युवक ने मेरे भाई सर्जन के सिर में ईंट मारी। खून बहने लगा। फिर हम ईलाज के लिए सीएचसी गए। इसी दौरान वे युवक अपने कुछ और साथियों के साथ आए तथा हमारा रास्ता रोककर डंडों से हमला कर दिया। जब भाई सर्जन बाइक स्टार्ट करने लगा तो उसे टक्कर मारने की कोशिश की। फिर वे धमकी देकर भाग गए।

उधर, सूचना पाकर मांडोठी चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। झगड़े की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने सुभाष की शिकायत पर आठ युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पृथ्वी पर 60,000 से अधिक ज्ञात वृक्ष प्रजातियां हैं।

अफ्रीका के सूखे मैदानों में पाए जाने वाले मोजावे रेगिस्तान के हॉजक्विन पेड़ को 'चलने वाला पेड़' कहा जाता है।

कैट परीक्षा पास कर जुड़ सकते हैं कॉर्पोरेट जगत से

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आईआईएम और देश के अन्य सभी अच्छे बी-स्कूल के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले एमबीए और पीजीपी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा ली जाती है जिसे कैट कहा जाता है। प्रतिवर्ष लाखों छात्र स्नातक पास करते है। इनमें से बहुत से छात्रों का सपना होता है कि वे कॉर्पोरेट जगत के साथ जुड़कर अपना कॅरियर सेट करें और बड़े पदों पर नियुक्त होकर खूब पैसा कमाएं। इस सपने को पूरा करने के लिए मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) एक शानदार विकल्प है।

लाखों अभ्यार्थी देते परीक्षा

एम.बी.ए. कोर्स कई संस्थानों में उपलब्ध है मगर भारत में आई.आई.एम. की तरफ आयोजित कैट परीक्षा को सबसे अधिक अहम माना जाता है। कैट की परीक्षा में हर साल लाखों अभ्यर्थी हिस्सा लेते है, इसलिए छात्रों के लिए परीक्षा पास करना सरल नहीं होता है। परीक्षा पास करने के लिए छात्रों को निरंतर तैयारी करनी होती है। आईआईएम के अतिरिक्त कुछ ऐसे कॉलेज है जो कैट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को एडमिशन देते हैं जिनकी सूची इस प्रकार है।

- एस. पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी
- जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग

आवेदन शुल्क

अगर परीक्षा पैटर्न के बारे में बात करें तो प्रश्न पत्र में कुल छात्र सवाल आते हैं और इस प्रश्न पत्र को हल करने के लिए उम्मीदवारों को 2 घंटे का समय दिया जाता है। यदि इसकी वैलिडिटी की बात करें तो कैट स्कोर एक साल के लिए वैध रहता है। यह परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाती है। कैट परीक्षा के लिए योग्यता की बात करें तो हिस्सा लेने वाले उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से न्यूनतम 50% अंक के साथ स्नातक पास होने चाहिए (एससी, एसटी और दिव्यांग के लिए यह 45%) तय किया गया है। जो छात्र ग्रेजुएशन के फाइनल ईयर में है वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर इस परीक्षा में निर्धारित किए गए आवेदन शुल्क की बात करें तो सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आवेदन शुल्क दो हजार तय किया गया है वहीं एससी, एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों को आवेदन शुल्क के रूप में 1,150 रुपये देने होते हैं।

एग्जाम के लिए योग्यता

- आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए।
- आवेदक भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज/यूनिवर्सिटी से किसी भी स्ट्रीम में 50 % अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि आवेदक एससी एसटी पीडब्ल्यूडी श्रेणी से है तो उनके लिए आरक्षण के तहत अंकों में 5% की छूट दी गई है। ऐसे में ये सभी छात्र 45% अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि कोई अभ्यर्थी अपने स्नातक के फाइनल ईयर में है तो वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि अभ्यर्थी विदेशी नागरिक हैं तो वह पीआईओ या एनआरआई श्रेणी के तहत कैट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- कैट परीक्षा के लिए कोई भी आयु सीमा तय नहीं की गई है यानी कि किसी भी उम्र का व्यक्ति कैट परीक्षा दें सकता है।
- परीक्षा कितनी बार एटेम्पट की जा सकती है इस पर भी कोई बाध्यता नहीं है। कोई भी छात्र जितनी बार चाहे यह परीक्षा दें सकता है।

परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन

- कैट एग्जाम के रजिस्ट्रेशन के लिए आपको सबसे पहले कैट एग्जाम की वेबसाइट **https://iimcat.ac.in/** पर जाना होगा।
- वेबसाइट पर आने के बाद आपको दिए गए रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करना होगा।
- रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके सामने आवेदन फॉर्म खुल जाएगा।
- फॉर्म खुल जाने के बाद आपको इसमें सभी जरूरी जानकरियों को दर्ज करना होगा।
- जानकरी सावधानीपूर्वक भरने के बाद आपको सभी आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड करना होगा।
- डॉक्यूमेंट अपलोड हो जाने के बाद आपको रजिस्ट्रेशन शुल्क की ऑनलाइन पेमेंट करनी होगी।
- आप फीस का भुगतान नेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/यूपीआई आदि के माध्यम से कर पाएंगे।
- फीस का भुगतान करने के बाद आपको फॉर्म का प्रीव्यू कर सबमिट के बटन पर क्लिक करना होगा।
- जैसी ही आप सब्मिट के बटन पर क्लिक करेंगे आपका फॉर्म ऑनलाइन जमा हो जायेगा।
- इस प्रकार आप ऑनलाइन माध्यम से कैट एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

भारत में सदियों से चली आ रही आभूषण बनाने और डिजाइन करने की कला

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

ज्वेलरी डिजाइनिंग आभूषणों को डिजाइन करने और बनाने की कला है। महिलाओं और पुरुषों द्वारा ज्वेलरी पहनने का प्रचलन मेसोपोटामिया और मिस्त्र की कम से कम 7,000 साल पुरानी सभ्यता से है। ज्वेलरी डिजाइनिंग के पारंपरिक विधि हाथ से चित्रकारी और ड्राफ्टिंग आज भी आभूषणों को डिजाइन करने में उपयोग में लिए जाते हैं। हालाँकि वर्तमान में ज्वेलरी डिजाइनिंग के तरीके काफ़ी बदल गए हैं। भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है। आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालाँकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण बन गए हैं। इन आभूषणों को बनाने का तरीका ही ज्वेलरी डिजाइनिंग कहलाता है। 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी

क्यों करें ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स

- ज्वेलरी डिजाइन में छात्रों को ज्वैलरी क्रिएशन और डिजाइनिंग और ज्वैलरी डिजाइनिंग में महत्वपूर्ण सभी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स में मेटलर्जी, आभूषण डिजाइनिंग, डायमंड ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सीएडी , पोर्टफोलियो डेवलपमेंट, जेमोलॉजी, बीडिंग आर्ट आदि विषयों और विषयों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।

- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स पूरा करने के बाद, किसी ब्रांड या कंपनी में नौकरी करने के बजाय, कोई भी अपना खुद का एक ब्रांड लॉन्च करके उद्यमिता शुरू कर सकता है, जिसमें उनकी खुद की ज्वेलरी डिजाइनिंग होगी।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स ज्वेलरी डिजाइन उद्योग जैसे उत्पाद विकास, ग्राफिक डिजाइन, मार्किट रिसर्च, रचनात्मकता आदि में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए नए कौशल सीखने में मदद करता है।
- ग्लासडोर के एक सर्वे के अनुसार, भारत में करियर के शुरुआती वर्षों में एक ज्वैलरी डिजाइनर की औसत कमाई 4-5 लाख प्रति वर्ष है।

गहनों को माना जाता है पवित्र और कीमती

ये करना होगा

ये स्किल्स चाहिए

- एडोब क्रिएटिव सूट
- ग्राफिक डिजाइन
- नेकलेस
- इंजीनियरिंग ड्राइंग
- खुदरा बिक्री
- सीएडी
- उत्पादन रूप
- कला शो
- डिजाइन प्रक्रिया
- उत्पाद विकास
- राइनो
- रुझान अनुसंधान
- बाजार अनुसंधान
- व्यापार की शो

ज्वेलरी डिजाइनिंग के विषय

डिजाइन की नींव, डिजाइन के तत्व, कंप्यूटर एडेड डिजाइन, व्यापारिक और विपणन विचार, डिजाइन के लिए उपकरण, डिजाइन के तरीके, डिजिटल प्रतिनिधित्व, गहनों का इतिहास, डिजाइन का विज्ञापन, रत्न विज्ञान और रत्नों की स्थापना।

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें।
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा।
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं।
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें।
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें। प्रवेश परीक्षा के अंको के

स्टेप बाय स्टेप गाइड

स्टेप 1- इसके लिए पहला कदम है 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करनी होगी।
स्टेप 2- बेहतर ज्वेलरी डिजाइनर बनने के लिए आपको डिजाइनिंग को बारीकी से समझना होगा, इसलिए ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए पहले प्रवेश परीक्षा को उत्तीर्ण करना होगा। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय लेवल और राज्य लेवल दोनों स्तर पर कराए जाते हैं।
स्टेप 3- प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आपकी रैंक के अनुसार कॉलेज में एडमिशन मिलेगा। एडमिशन पक्का करने के लिए आपको कॉलेज द्वारा काउंसलिंग के लिए बुलाया जाएगा।
स्टेप 4- डिजाइनिंग को और डिटेल में जानने के लिए आप इसमें मास्टर्स डिग्री भी कर सकते हैं। विदेश में मास्टर्स करने के लिए आपको जीमैट /जीआरई जैसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।
स्टेप 5- ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद आपको इंटर्नशिप करनी होगी ताकि आप डिजाइनिंग की प्रैक्टिकल नॉलेज प्राप्त कर सकें।

टॉप विदेशी यूनिवर्सिटीज

- नोवा स्कोटिया कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड डिज़ाइन (एनएससीएडी) यूनिवर्सिटी
- कला विश्वविद्यालय, लंदन
- बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी
- हर्टफोर्डशायर विश्वविद्यालय
- इंग्लैंड के पश्चिम विश्वविद्यालय
- रॉबर्ट गॉर्डन विश्वविद्यालय
- ग्रिफिथ विश्वविद्यालय
- एनएससीएडी विश्वविद्यालय
- क्रिएटिव आर्ट्स के लिए विश्वविद्यालय
- अल्स्टर यूनिवर्सिटी
- लासाल कॉलेज

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान- नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया- मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान- मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन- दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी- बैंगलोर, डिजाइन कॉलेज

योग्यता

- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा या बैचलर्स कोर्स करना चाहते है तो आपको 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करना होगा।
- ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए आपको कुछ प्रवेश परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा।
- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में मास्टर कोर्स करना चाहते हैं तो बैचलर्स डिग्री का होना आवश्यक है। विदेश में पढ़ाई करने के लिए आपको जीमैट/जीआरई परीक्षा में अच्छा अंक प्राप्त करने होंगे।
- विदेश में ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट जैसे-आईईएलटीएस/ टीओईएफएल आदि कोर्स पहले से करके तैयार रखने हैं।

टॉप जॉब प्रोफाइल

ज्वेलरी डिजाइनर, ज्वेलरी मरचेंड़ाइजर, एगजीबीशन मैनेजर, प्रोडक्शन मेनेजर, कास्टिंग मेनेजर, लेक्चरार, राइटर एंड ड्राफ्टर, म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी मैनेजर, फ़ैशन कंसल्टेंट, ज्वेलरी हिस्टोरीयन, ग्रेडिंग एड्वाइजर, रत्न अपरेजर, ज्वेलरी डिजाइन सेल्फ बिजनेस, ज्वेलरी सेंटर।

हर छात्र को अपने जीवन में ऑपरेशन सिंदूर से लेनी चाहिए जरूरी सीख

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारतीय सेना हमारे देश का गौरव और शक्ति का प्रतीक है। उनके साहस, समर्पण और बलिदान की कहानियां हमें न केवल प्रेरित करती हैं, बल्कि यह भी सिखाती हैं कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा क्या होता है। आपने सुना होगा कि "हम सुरक्षित हैं, क्योंकि वे सीमा पर लड़ रहे हैं।" यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक ऐसी सच्चाई है, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और कृतज्ञता जगाती है। हाल ही में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह साबित किया कि कोई भी भारतीय महिला का आंसू व्यर्थ नहीं जाएगा। इस ऑपरेशन का नाम और इसकी भावना उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। आइए, इस ऑपरेशन से प्रेरणा लें और समझें कि कैसे हम अपने जीवन में उनके गुणों को अपनाकर देश के लिए गर्व का कारण बन सकते हैं।

सीमा पर उनकी वीरता, हमारे लिए शांति

जब आप अपने स्कूल में पढ़ रहे होते हैं, दोस्तों के साथ हंसते-खेलते हैं या अपने परिवार के साथ समय बिता रहे होते हैं, उस समय भारतीय सेना के जवान बर्फीली चोटियों, रेगिस्तान की गर्मी या जंगलों की कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा कर रहे होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने केवल 25 मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिसमें 70 से अधिक आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई इतनी सटीक थी कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया, जिससे भारत की संयमित और जिम्मेदार छवि दुनिया के सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर हमें सिखाता है कि मुश्किल हालातों में भी धैर्य, अनुशासन और एकजुटता से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। जब आप पढ़ाई में किसी जटिल विषय से जूझ रहे हों, किसी असाइनमेंट में असफल हों या अपने सपनों को पूरा करने में रुकावटें आएं, तो भारतीय सेना के जवानों की वीरता को याद करें। उनकी तरह आपको भी हार नहीं माननी है। ऑपरेशन सिंदूर से हमें कुछ महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सावधानीपूर्वक योजना और सटीकता के साथ अंजाम दिया। आप भी अपनी पढ़ाई और लक्ष्यों के लिए एक योजना बनाएं और उसे पूरी मेहनत से लागू करें। टीम वर्क की ताकतः ऑपरेशन सिंदूर में सेना, नौसेना और वायुसेना ने मिलकर काम किया।

धैर्य और अनुशासन

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने संयम और अनुशासन के साथ कार्रवाई की। आप भी अपने जीवन में अनुशासन लाएं, समय का पालन करें और धैर्य के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें।

छात्र यात्रा में सेना की प्रेरणा : कई बार स्कूलों में छात्रों को सेना के कैंप या शैक्षिक यात्राओं पर ले जाया जाता है। वहां आपने देखा होगा कि जवान कितने अनुशासित, शांत और आत्मविश्वासी होते हैं। उनकी कहानियां और उनके मिशन, जैसे ऑपरेशन सिंदूर, हमें बताते हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इस ऑपरेशन ने न केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, बल्कि उन परिवारों को न्याय दिलाया, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। प्रियदर्शिनी सत्पथी, जिनके पति प्रशांत सत्पथी पहलगाम हमले में शहीद हुए, ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर का नाम प्रतीकात्मक है आतंकी हमले ने मासूम महिलाओं के माथे से पवित्र सिंदूर छीन लिया। जब आप अपनी पढ़ाई में मेहनत करते हैं, तो यह सोचें कि आपकी सफलता आपके देश को मजबूत बनाएगी। चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या कुछ और बनें, अगर आप अपने काम को पूरी लगन और ईमानदारी से करेंगे, तो आप भी अपने देश के लिए एक सैनिक की तरह योगदान देंगे।

सामान्य ज्ञान

1. ऋग्वेद में सबसे पवित्र नदी किसे माना गया है?
(ए) सिन्धु
(बी) सरस्वती
(सी) परुष्णी
(डी) शतुद्रि

2. वैदिक समाज की आधारभूत इकाई थी
(ए) कुल / कुटुम्ब
(बी) ग्राम
(सी) विश
(डी) जन

3. ऋग्वैदिक काल के उस सबसे प्रधान देवता की पहचान करें, जिसकी स्तुति में 250 सूक्तों की रचना की गयी थी
(ए) इन्द्र
(बी) अग्नि
(सी) वरुण
(डी) सूर्य

4. किस वेद में सभा को 'नरिष्ट' अर्थात सामूहिक वाद-विवाद या अनुल्लंघनीय कहा गया है?
(ए) ऋग्वेद
(बी) यजुर्वेद
(सी) सामवेद
(डी) अथर्ववेद

5. किस रचना में नारी को सुरा और पांसा के साथ तीन प्रमुख बुराइयों में शामिल किया गया है?
(ए) मैत्रायणी संहिता
(बी) जावाल उपनिषद्
(सी) शतपथ ब्राह्मण
(डी) छांदोग्य उपनिषद्

6. उत्तर-वैदिक काल में किस देवता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था?
(ए) प्रजापति
(बी) इन्द्र
(सी) विष्णु
(डी) रुद्र

7. संस्कारों की कुल संख्या कितनी है?
(ए) 14
(बी) 15
(सी) 16
(डी) 18

8. तीन ऋण में शामिल नहीं है
(ए) देव ऋण
(बी) पितृ ऋण
(सी) ऋषि ऋण
(डी) मातृ ऋण

9. ऋग्वैदिक काल से संबंधित मृदभांड संस्कृति है
(ए) गेरुवर्णी मृदभांड (**OCP**) संस्कृति
(बी) चित्रित धूसर मृदभांड (**PGW**) संस्कृति
(सी) **a** और **b** दोनों
(डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(ए) 6.(ए) 7.(सी) 8.(डी) 9.(ए)

जिलेभर के स्कूलों और कॉलेजों में मदर्स डे की रही धूम, अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने कलात्मक प्रतिभा व संवेदनशीलता के साथ मां के प्रति अपने प्रेम और कृतज्ञता को किया अभिव्यक्त

मदर्स-डे पर विद्यार्थियों ने बनाए पोस्टर व ग्रीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

■ तीसरी कक्षा से चहक, कुंज शर्मा, सृष्टि व रौनक ने उत्कृष्ट स्थान हासिल किया

एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए मदर्स-डे के उपलक्ष्य में स्लोगन, बुके, क्राउन व ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग कंपीटिशन का आयोजन किया गया।

तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में तीसरी कक्षा से चहक, कुंज शर्मा, सृष्टि व रौनक, चौथी से भवी, निशांत, काशवी, परिधि, मेक्स और वंशु, पांचवीं से हर्ष, तन्वी, वंश व फाल्गुनी ने उत्कृष्ट स्थान हासिल किया। निर्णायक की भूमिका अनीता गुलिया, नीलम दहिया, निधि कादयान, पिंकी अहलावत व पुष्पा यादव ने निभाई। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया व स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। एचओडी पुष्पा यादव, पिंकी अहलावत, रविंद्र लोहचब, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा, डीपीई अमित लोहचब, संजीत सांगवान सहित अन्य भी मौजूद रहे।

इंडो अमेरिकन में छात्रों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

■ दूसरी से सृष्टि ने प्रथम, तीसरी से पुलकित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

झज्जर। इंडो अमेरिकन स्कूल में शुक्रवार को मातृदिवस समारोह मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने कलात्मक प्रतिभा और संवेदनशीलता के माध्यम से मां के प्रति अपने प्रेम और कृतज्ञता को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में दूसरी कक्षा से लेकर सीनियर वर्ग तक के विद्यार्थियों ने मां : एक अनमोल खजाना विषय पर अपने विचारों को रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता परिणामों में दूसरी कक्षा से सृष्टि ने प्रथम, तीसरी से पुलकित ने द्वितीय व मानव ने तृतीय स्थान हासिल किया। चौथी कक्षा में सोमेक्ष पहले, मेधावी दूसरे तथा मानवी तीसरे स्थान पर रही। पांचवीं में इशिका और सनाया ने संयुक्त द्वितीय, सातवीं कक्षा में भारती प्रथम, वत्सल द्वितीय व तृप्ति और विनीता तृतीय रहे। सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने भी अत्यंत प्रभावशाली पोस्टर बनाए, जिनमें मां की महानता, बलिदान और उनके निस्वार्थ प्रेम को सुंदर रूप से दर्शाया गया था। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने भावनात्मक नृत्य, गीत और नाटिका के माध्यम से यह संदेश दिया कि दुनिया की सारी दौलत भी मां के प्यार की बराबरी नहीं कर सकती। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने कहा कि मां वह शक्ति हैं जो हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। हमें माफ करती है और हर कठिन समय में हमें दिशा दिखाती हैं। प्राचार्य डॉक्टर विनोद सोनी ने भी विद्यार्थियों को जीवन में मां के आशीर्वाद और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

बाल विकास स्कूल में मनाया मदर्स-डे, मां पर सुनाई कविताएं

बहादुरगढ़। शहर के बाल विकास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया। नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर डांस किया व कविताएं सुनाई। स्कूल डायरेक्टर सीमा छिल्लर व प्रधानाचार्या डॉ पूनम चौधरी ने विजेता बच्चों को सम्मानित किया। डॉ पूनम चौधरी ने कहा कि मां के प्रति प्यार और सम्मान व्यक्त करने के लिए यह दिन मनाया जाता है। इस दिन माताओं को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया जाता है।

बहादुरगढ़। बच्चों को सम्मानित करती सीमा छिल्लर व डॉ पूनम चौधरी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। स्कूल निदेशिका के साथ त्रिवेणी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

त्रिवेणी स्कूल में मां के नाम रहा दिन

बहादुरगढ़। त्रिवेणी विद्यालय में शुक्रवार को मातृ दिवस मनाया। प्रातः कालीन विशेष सभा में बच्चों ने कविता व गीत के माध्यम से मातृत्व पर अपने विचार रखे। बच्चों ने कई गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी मां के प्रति स्नेह प्रकट किया।

■ बच्चों ने कविता व गीत के माध्यम से मातृत्व पर अपने विचार रखे

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशिका संगीता वर्मा तथा प्राचार्य अनिल कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कई विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पहले वर्ग में कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों ने हाथों की छाप से सुंदर व अद्भुत कलाकृति तैयार की। दूसरे वर्ग में कक्षा तीसरी से 5वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने फोटो फ्रेम बनाकर अपनी कलाकारी दिखाई। तीसरे वर्ग में बच्चों ने हस्त निर्मित शुभकामना कार्ड तथा चौथे वर्ग में कक्षा नौवीं से 12वीं तक के बच्चों ने कबाड़ से जुगाड़ द्वारा विभिन्न वस्तुएं बनाई। संगीता वर्मा व अनिल कुमार ने मातृत्व के बलिदान से बच्चों को परिचित करवाया। मां बच्चे की प्रथम गुरु होती है। माता-पिता का आदर करने वाले बच्चे भविष्य में अवश्य सफल होते हैं।

श्री स्वामी समर्थ स्कूल में नन्हे मुन्नों ने मां के लिए बनाए ग्रीटिंग्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

■ मां वो पहली गुरु होती है, जो हमें प्यार और संस्कार देती है : अभिषेक छिल्लर

श्री स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मदर्स-डे मनाया गया। विद्यार्थियों ने मां के प्रति अपना प्यार व्यक्त करने के लिए ग्रीटिंग कार्ड, बुके और ज्वैलरी बनाई। कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर मां के प्रति अपने श्रद्धा भाव व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने अपनी कविताओं, भाषण व गीतों में दर्शाया कि मां अनमोल खजाना है, जिसके आगे सभी खजाने व्यर्थ हैं। कक्षा पहली से पांचवीं के विद्यार्थियों ने जहां मां के प्रति अपने प्रेम को दिखाया, वहीं कक्षा छठी से 12वीं के विद्यार्थियों ने नाटिका में वृद्ध आश्रम में रहने वाले मां-बाप के दर्द को दर्शाया। प्रिंसिपल किशोर कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों के अच्छे प्रदर्शन के लिए सराहना की। स्कूल संचालक अभिषेक छिल्लर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मां वो पहली गुरु होती है, जो हमें प्यार और संस्कार देती है। वो हमारी हर परेशानी में हमारा साथ देती है और हमारी खुशियों में सबसे ज्यादा खुश होती हैं।

दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य जांच के लिए लगेंगे कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

■ 12 को सवेरा स्कूल व 13 को आशा किरण स्कूल में लगेगा कैंप

सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झज्जर द्वारा दिव्यांग बच्चों की पहचान एवं स्वास्थ्य जांच के उद्देश्य से दो दिवसीय जागरूकता एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे।

यह शिविर आइडेंटिफिकेशन एंड स्क्रीनिंग ऑफ चिल्ड्रन विद डिसेब्लिटी योजना के तहत आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में संबंधित विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। वहीं लीगल वॉलंटियर्स द्वारा दिव्यांग लोगों को उनके कानूनी अधिकारियों के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 12 मई को सवेरा स्कूल व 13 मई को आशा किरण स्कूल नूना माजरा में कैंप आयोजित होंगे।

छात्रों को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

बहादुरगढ़। तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से राजकीय महाविद्यालय में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्या सुमन हुड्डा और उप-प्राचार्य अमित छिकारा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। व्याख्यान एंटी टोबैको कमेटी के संयोजक डॉ. विकास यादव द्वारा दिया गया। डॉ. यादव ने छात्रों को तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों कैंसर, हृदय रोग, श्वसन संबंधी समस्याएं और लत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। तंबाकू के खतरनाक परिणामों से युवाओं को अवगत कराना आवश्यक है। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र में अपनी जिज्ञासाएं भी व्यक्त की। कॉलेज परिसर में तंबाकू के दुष्प्रभावों को दर्शाते पोस्टर और पंफ्लेट्स भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने तंबाकू से दूर रहने और समाज में इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

छात्र परिषद ने छात्रों को बैज व सैशे पहनाकर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

आरईडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को छात्र परिषद के अलंकरण समारोह के साथ छात्रवृत्ति व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्या सरिता मल्हान ने बताया कि कार्यक्रम में विद्यालय निदेशक जितेन्द्र सिंह अहलावत ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की जबकि एडिशनल निदेशक शैलेन्द्र अहलावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निदेशक जितेन्द्र सिंह अहलावत ने छात्र परिषद के छात्रों को बैज व सैशे पहनाकर सम्मानित किया।

विद्यालय के हैड बॉय व हैड गर्ल के रूप में यशवर्धन व वंशिका तथा अस्सिटेंट हैड बॉय व हैड गर्ल के रूप में अक्षित अहलावत व वंदना ने शपथ ली। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा माता-पिता व गुरु के प्रति आदर भाव दिखाने के लिए नृत्य नाटिका, अच्छी आदतों को दर्शाते हुए छोटे बच्चों का नृत्य, नेतृत्व आधारित गीत, मोबादल के दुरूपयोग पर आधारित लघु नाटिका, डांस आदि रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्यातिथि जितेन्द्र सिंह अहलावत ने विभिन्न शैक्षणिक एवं अकादमिक स्तर पर सभी कक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की।

ल्यूपस की रोकथाम के लिए उपचार जरूरी : डॉ. इंद्रजीत

बहादुरगढ़। सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस को आमतौर पर ल्यूपस कहा जाता है। समय रहते इसे पहचान और उपचार शुरू करके स्थाई क्षति को रोका जा सकता है। ल्यूपस का इलाज संभव नहीं है, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है। इलाज रोग की तीव्रता और प्रभावित अंगों के आधार पर तय किया जाता है।

गुरुग्राम के मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स में क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. इंद्रजीत अग्रवाल के अनुसार शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली स्वयं ही स्वस्थ ऊतकों और अंगों पर हमला करने लगे तो यह ऑटोइम्यून प्रतिक्रिया होती है, जिसे ल्यूपस कहते हैं। यह शरीर के कई हिस्सों में पुरानी सूजन और क्षति का कारण बन सकती है। इसके लक्षण कई अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते हो सकते हैं। नतीजतन, मरीज सही निदान पाने के लिए महीनों या वर्षों तक भटकते हैं। यह रोग मुख्यतः महिलाओं को प्रभावित करता है। इसमें आनुवंशिक प्रवृत्ति, पर्यावरणीय कारक और हार्मोनल बदलाव अहम भूमिका निभाते हैं।

डॉक्टर विकास पाराशर को फिर से मिली जिला प्रवक्ता की जिम्मेदारी

झज्जर। जेजेपी ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए प्रदेशभर में जिला प्रवक्ताओं की नियुक्तियां की है।

झज्जर जिले से डॉक्टर विकास पराशर को दोबारा जिला प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया

इस नियुक्ति पर डॉक्टर विकास ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व द्वारा फिर से मुझ पर जो भरोसा जताया है वे उसे पूरी मेहनत व ईमानदारी के साथ निभाएंगे। उन्होंने अपनी इस नियुक्ति पर डॉक्टर अजय सिंह चौटाला, प्रदेशाध्यक्ष ब्रिज शर्मा, पूर्व उप मुख्यमन्त्री दुष्यंत सिंह चौटाला, दिग्विजय सिंह चौटाला, प्रदेश प्रभारी राकेश जाखड़ आदि शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

संजय सैनी ने दिल्ली में मुख्यमंत्री नायब सेनी से की मुलाकात

बहादुरगढ़। भाजपा बहादुरगढ़ मंडल के अध्यक्ष संजय सैनी ने दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। बकौल संजय सैनी, उन्होंने मुख्यमंत्री से हिंदुस्तान व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चर्चा की।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित: उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। हम सभी अपने देश की सेना के साथ हैं। जरूरत पड़ी तो हम बॉर्डर पर भी जाने को तैयार हैं। इस अवसर पर विकास हांसी व अजय खरखौदा भी मौजूद रहे।

भाविप ने महाराणा प्रताप को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। महाराणा प्रताप को नमन करते परिषद सदस्य व विद्यार्थी।

भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा द्वारा शुक्रवार को शहर के राणा प्रताप स्कूल में महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। भाविप सदस्यों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता भी हुई।

भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सोनू रजक, दिव्या शर्मा, कुणाल शर्मा, आरीफ, शिवम, शुभम, आदर्श, प्रियांशु, ओमप्रिया और आरूषि को परिषद की तरफ से पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष मूलचंद जोशी और जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने कहा कि हमें वीर महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शाखा अध्यक्ष रमेश गुप्ता और सचिव विजय पुन्हानी ने बताया कि महाराणा ने अपने शौर्य और पराक्रम के बल पर भारत के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा की थी। स्कूल प्रबंधक आनंद पंवार ने कहा कि उनके आदर्शों से प्रेरित होकर ही इस स्कूल का नाम राणा प्रताप के नाम पर रखा गया था। इस मौके पर हरीश बजाज, दीपेश राठी, एमएस भाटी, सुनीता पंवार, निशा शर्मा, भारती शर्मा व नीलम हुड्डा आदि ने भी महाराणा को नमन किया।

जिले में गेहूं की बंपर पैदावार, बीते वर्ष से 2087 एमटी ज्यादा आवक

झज्जर। जिले में रबी सीजन की सरसों व गेहूं खरीद एजेंसियों द्वारा खरीद का कार्य जारी है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले में बीते वर्ष की तुलना गेहूं की आवक अधिक दर्ज की गई है। इस वर्ष अभी तक जिले की अनाज मंडियों व परचेज सेंटरों पर गेहूं की एक लाख 98 हजार 106 मीट्रिक टन आवक दर्ज की गई है, जबकि बीते वर्ष जिले में गेहूं की आवक एक लाख 96 हजार 19 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि जिला की मंडियों में एक लाख 86 हजार 732 एमटी गेहूं की खरीद की गई है। जिसमें से एक लाख 71 हजार 724 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है। वहीं 33 हजार 876 एमटी सरसों खरीद की जा चुकी है, जबकि 35 हजार 94 मीट्रिक टन सरसों की आवक दर्ज की गई है और 33 हजार 876 मीट्रिक टन सरसों का उठान हो चुका है।

हास्य काव्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शुक्रवार को अंतर्सदनीय हिंदी हास्य काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नौंवी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने हास्यरस की कविताओं की प्रस्तुति दी। विद्यालय प्राचार्य सतबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में कवि डॉक्टर महावीर सिंह, डॉक्टर सत्यावान सिंह व एचडी ग्रुप डायरेक्टर रमेश गुलिया की पत्नी राजबाला देवी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इनके अलावा सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया विशिष्टातिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रतियोगिता परिणामों में बारहवीं से हिमांशु, ग्यारहवीं कक्षा से कोमल, दसवीं कक्षा से विशेष जाखड़ तथा नौंवी कक्षा से देवेन ने पहला स्थान हासिल किया। एचडी ग्रुप डायरेक्टर के रमेश गुलिया ने भी स्वयं एक हास्य कविता सुनाते हुए कहा कि काव्य कला मनुष्य की आंतरिक अभिव्यक्ति होती है। कवि डॉक्टर महावीर सिंह ने कहा कि आधुनिक दौर के तनावग्रस्त जीवन में हास्य कविता सुनकर हम स्वयं को खुश रख सकते हैं।

कृष्ण को प्रधान, विद्यानंद को उपप्रधान व कृष्ण को सचिव की जिम्मेदारी मिली

झज्जर। शुक्रवार को रोडवेज कर्मचारियों द्वारा गेट मीटिंग का आयोजन कर डिपो कार्यकारिणी का गठन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता राज्य प्रधान कृष्ण छिक्कारा, महासचिव राजबीर व वरिष्ठ उपप्रधान रामबीर सिंह ने की। इस दौरान गठित नई कार्यकारिणी में कृष्ण को प्रधान, विद्यानंद को उपप्रधान, कृष्ण को सचिव, कर्मबीर को कैशियर, बिट्टू को उप कैशियर, ज्ञानेंद्र को सह सचिव, करतार को ऑडीटर, अजीत को प्रेस प्रवक्ता व संदीप को संगठन सचिव बनाया गया। प्रदेश महासचिव राजबीर शर्मा ने बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों द्वारा बाद में कार्याकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। रोड सेफ्टी इंचार्ज सतीश कुमार ने नशा मुक्ति और सड़क सुरक्षा अभियान के तहत ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। अवहेलना पर जुर्माने तथा सजा के बारे में भी बताया गया।

एएसआई राखी ने कहा कि सड़क हादसों की एक बड़ी वजह नियमों की अनदेखी है। यातायात नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नशे से दूर रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। पवन काजला ने विद्यार्थियों को एसपीसी लेने के लिए प्रेरित किया। अरुण ने सीपीसी विद्यार्थियों की परेड आयोजित की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मंजू रानी, ऋषि सहरावत, अनिल अहलावत, राकेश वत्स, प्रवीण जाखड़, सुमित्रा देवी, जोगेंद्र सिंह, सुरेश वर्मा, दिनेश भारद्वाज, विजय छिल्लर व संजय मलिक आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो : हरिभूमि

सूचना

मैं प्रदीप पुत्र सतनारायण निवासी गांव बेरी पाना छाज्याण, तहसील बेरी, जिला झज्जर बयान करता हूं कि मेरा पुत्र विशाल व उसकी पत्नी केशु मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिए मैं उपरोक्त दोनों को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। इनके द्वारा किए गए किसी भी नैतिक व अनैतिक कार्य की भी हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, टोनी पुत्र मान सिंह पुत्र श्री रिसाल सिंह निवासी गांव छुडानी, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पुत्री खुशी मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

झज्जर। जॉब मेले के दौरान विद्यार्थियों का साक्षात्कार लेते हुए कंपनी प्रतिनिधि। फोटो: हरिभूमि

आईटीआईः जॉब मेले में 17 विद्यार्थियों का चयन

झज्जर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साल्हावास में शुक्रवार को जॉब मेले का आयोजन किया गया। प्रातः करीब दस बजे से शुरू हुए इस जॉब मेले में स्थानीय तथा विभिन औद्योगिक प्रतिष्ठानों के विद्यार्थियों ने भागीदारी करते हुए साक्षात्कार दिया। जॉब मेले के दौरान बावल व झज्जर क्षेत्र के निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों प्रवीण व महेश कुमार ने इंजीनियरिंग ट्रेड के सभी व्यवसाय के 17 विद्यार्थियों को रोजगार तथा अपरेंटिस के लिए चयनित किया। इस मौके पर संस्थान के वर्ग अनुदेशक अशोक कुमार, वर्ग अनुदेशक राहुल, नवीन कुमार, नरेंद्र, प्रदीप कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप और गोखले को किया नमन

बहादुरगढ़। गुभाना गांव के लोकहित पुस्तकालय में महाराणा प्रताप व गोपाल कृष्ण गोखले की जयंती पर उन्हें याद कर पुष्प अर्पित किए गए। समिति अध्यक्ष नरेश कौशिक ने दोनों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। इस मौके पर सूबेदार मेजर सुरेश कुमार, जय भगवान, विशाल व भोला आदि ने उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

एमडीयू परीक्षाओं के कारण धारा 163 लागू

बेरी। रेणुका नांदल,उपमंडल मजिस्ट्रेट बेरी। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। उपमंडल मजिस्ट्रेट रेणुका नांदल ने बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा जून के मध्य तक आयोजित की जाने वाली स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए बेरी उपमंडल के अंतर्गत आने वाले राजकीय महाविद्यालय दुजाना में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षाओं के सुचारु, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के उद्देश्य से जिलाधीश स्वप्निल रविंद्र पाटिल द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 लागू करने के आदेश जारी किए गए हैं। दुजाना कालेज में परीक्षा के कारण आदेशों की दृढ़ता से पालना की जाएगी।

सरकार और सेना से आर-पार की लड़ाई लड़कर आतंक का खात्मा करने की अपील की

हुंकारः हर मोर्चे पर साथ खड़े रहने को तैयार पूर्व सैनिक

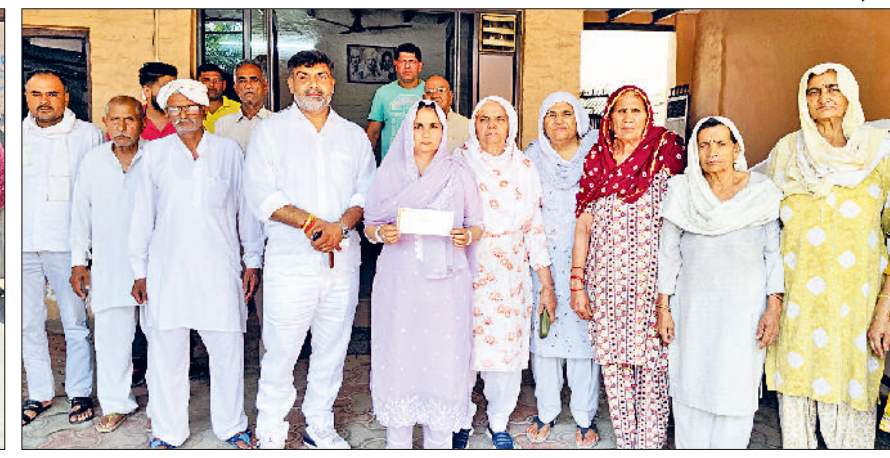

बहादुरगढ़। हर जंग लड़ने का ऐलान करते पूर्व सैनिक तथा सैनिकों के समर्थन में भेजा 3 लाख रुपए का चैक दिखाती मुकेश अशोक राठी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- देश की सलामती के लिए कुर्बानी देने से भी नहीं हटेंगे पीछे।

हरियाणा प्रदेश और झज्जर जिला वीरों की भूमि है। यहां के सैनिक हमेशा देश की सलामती के लिए अपनी जान कुर्बान करते आए हैं। मौजूदा समय में पाकिस्तान के साथ हो रहे तनावपूर्ण हालात में भी यहां के रिटायर्ड सैनिक हर मोर्चे पर खड़े होने के लिए तैयार हैं। कैप्टन मान सिंह दलाल समेत अन्य पूर्व सैनिकों ने कहा कि यह पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापिस लेने का सही समय है। पाकिस्तान के साथ वर्ष 1971 में हुए युद्ध में भाग ले चुके सूबेदार ओमप्रकाश दलाल, पीओ पीटीआई रण सिंह डागर, कारगिल योद्धा सूबेदार उमेद सिंह दलाल, कैप्टन राजेंद्र सिंह, दफेदार सुरजीत सिंह, कैप्टन हरसरूप दलाल, दफेदार बलवान सिंह और कैप्टन मान सिंह दलाल आदि ने कहा कि जरूरत पड़ने पर भारत सरकार या सेना उन्हें किसी भी मोर्चे पर लगा दो, वे 24 घंटे देश और देशवासियों के लिए तैयार हैं। सेना को सलाम करते हुए उन्होंने शहीदों को नमन किया। उनके अनुसार सभी एक्ससर्विस मैन इस स्थिति में सेना और देश के साथ हैं। सरकार को यह कदम अब अधूरा नही छोड़ना चाहिए। अब आर-पार की लड़ाई कर आतंक का खात्मा करना होगा। यह समय देश सेवा का है और भारत के लिए जरूरत पड़ने पर वे तैयार हैं। सूबेदार ओमप्रकाश दलाल ने बताया कि वे जंग लड़ चुके हैं। लेकिन तब हालात कुछ और थे। सेना को युद्ध के लिए तैयारी करने और मोर्चे संभालने के लिए समय मिला था। आज हालात अलग हैं, अत्याधुनिक हथियार इसमें शामिल हैं। वे देश सेवा का हर काम करने के लिए तैयार हैं। कैप्टन मान सिंह दलाल ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि साइरन बजते ही हमें अलर्ट होना है और दूसरे लोगों को भी अलर्ट करना है। जब से पाकिस्तान ने कायरतापूर्ण हमला किया है, तब से हर पूर्व सैनिक हर जंग लड़ने के लिए तैयार हैं। पूर्व सैनिकों का कहना है कि हम प्रारंभिक तौर पर आमजन को सरकार के आदेशों की पालना और युद्ध की स्थिति में बचाव के बारे में बताएंगे। लोगों में किसी तरह का कोई भय नहीं होना चाहिए।

सैनिकों को सलामः सरपंच ने भेजे तीन लाख

- परनाला की सरपंच मुकेश अशोक राठी ने सैनिकों के लिए सरकार को भेजा अपना 5 साल का मानेदय

बहादुरगढ़। गांव परनाला की सरपंच मुकेश अशोक राठी ने भारतीय सेना के लिए अपने 5 साल का मानदेय अर्थात 3 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। यह घोषणा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बनी युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए की गई है। सरपंच एसोसिएशन बहादुरगढ़ के प्रधान अशोक राठी ने बताया कि यह समय सिर्फ सरकार या सेना के सीमा पर मोर्चा संभालने का नहीं है। बल्कि यह हर देशवासी की जिम्मेदारी का समय है। उन्होंने सैनिकों का मनोबल बढ़ाने और संसाधनों की व्यवस्था में योगदान देने की बात कही। सरपंच मुकेश अशोक राठी ने कहा कि सैनिक दिन-रात देश की रक्षा में लगे हैं। अब नागरिकों का दायित्व है कि वे अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्हें सरपंच के रूप में प्रतिमाह 5 हजार रुपए मानदेय मिलता है। पूरे 5 वर्ष के कार्यकाल में उन्हें 3 लाख रुपए मिलेगा। उन्होंने यह राशि सैनिकों के समर्थन में सरकार को भेजी है। उनके अनुसार इस पहल से क्षेत्र में देशभक्ति की भावना अधिक मजबूत हुई है। यह पहल सिर्फ आर्थिक योगदान नहीं है। यह एक संदेश है कि पूरा देश सेना के साथ खड़ा है। भारत हर संकट में एकजुट होकर सामना करता है। इस मौके पर नारायणी, कृष्णा, किताबो, संतोष, नरेंद्र, राहुल, प्रीतम, रामनिवास, हरि सिंह, सचिन, औमप्रकाश फौजी आदि स्थानीय लोगों ने इस कदम की सराहना की है।

बहादुरगढ़। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर खुशी जाहिर करती चेष्टा व अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जताई खुशी

बहादुरगढ़। भाजपा महिला मोर्चा की एक बैठक शुक्रवार को भाजपा विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक के सेक्टर-2 स्थित कार्यालय पर हुई। इसमें भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय सेना के नेतृत्व में पाकिस्तान पर किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर खुशी जाहिर की। महिला मोर्चा जिला महामंत्री चेष्टा नकुल कौशिक ने कहा कि सेना ने भारतीय नागरिकों की शहादत का बदला लिया है। आने वाले समय में आतंकी देश पाकिस्तान को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। चेष्टा कौशिक ने कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वर्दीधारी महिलाएं साहस और राष्ट्रीय गौरव का एक नया अध्याय लिख रही हैं। इस अवसर मधु मित्तल, किरण बंसल, चेतना, नेहा, मंजीत, मंजू, सविता, शशि, भूमिका व बलविंद्र मित्तल आदि मौजूद रही।

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करते कोबी पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

उद्योगों में प्रवासी और स्थानीय श्रमिकों को मिलेगी सुरक्षा व खाना

- जज्बा: संगठित होकर सभी करेंगे सहयोग

बहादुरगढ़। देश की सीमाओं पर उत्पन्न संघर्ष की स्थिति में कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज से जुड़े उद्यमियों ने कहा कि ऐसी घड़ी में घबराने की बजाय साहस के साथ संगठित होकर देश व सेना के साथ खड़े होने की जरूरत है। शुक्रवार को कोबी कार्यालय में एक विशेष बैठक हुई। बैठक में कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, उपाध्यक्ष विपिन बजाज, महासचिव प्रदीप कौल, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार मित्तल आदि ने विस्तार से चर्चा की। आपात स्थिति में वे अपने उद्योगों में कार्यरत सभी प्रवासी एवं स्थानीय कर्मचारियों की सुरक्षा, भोजन एवं आवास की व्यवस्था करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उद्यमी किसी भी आपातकालीन स्थिति में देश के साथ खड़े हैं। हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने सभी संसाधनों और सहयोग के साथ तत्पर रहेंगे। इस समय हमारी सेनाओं तथा सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ाना है। यह समय हम सबकी एक जुटता दिखाने का है।

नृत्य, गीत व कविताओं के माध्यम से बच्चों ने किया मां का सम्मान

झज्जर। मातृप्रेम पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

- संस्कारम् ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विद्यार्थियों, अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चे का प्रथम शिक्षक उसकी मां होती है।

संस्कारम् पब्लिक स्कूल खातीवास में शुक्रवार को मदर्स-डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा मातृप्रेम पर आधारित गीतों पर डांस करके की गई। विद्यार्थियों ने इस दौरान मां विषय पर गीत, नृत्य और भाषण प्रतियोगिता में भी भाग लिया। कक्षा तीन से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के लिए सुंदर ग्रीटिंग कार्ड बनाए। संस्कारम् ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विद्यार्थियों, अध्यापकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चे का प्रथम शिक्षक उसकी मां होती है। बच्चों का भविष्य निर्धारित करने में उसकी मां की भूमिका सबसे अहम होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सभी स्कूलों में किताबी ज्ञान पर विशेष जोर दिया जाता है तथा उसी का परिणाम है कि आज बच्चों के अंक शत-प्रतिशत तक भी आ जाते हैं, लेकिन इस प्रतिस्पर्धा के युग में हम कहीं न कहीं भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से दूर होते जा रहे हैं। स्कूलों में इस प्रकार के कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों में अच्छे संस्कार एवं नैतिकता पूर्ण शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है।

तकनीक, कानून व सामाजिक जिम्मेदारी पर हुई चर्चा, जल संरक्षण की दिलाई शपथ

- एडीआर केंद्र में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर कार्यक्रम का किया आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान चरचा करते हुए सीजेएम एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को एडीआर केंद्र में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के दिशा-निर्देशन तथा सीजेएम एवं प्राधिकरण के सचिव विशाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान तकनीक के बढ़ते उपयोग, साइबर सुरक्षा और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूकता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सीजेएम विशाल ने कहा कि डिजिटल युग में तकनीक जहां जीवन को सरल बना रही है, वहीं इसके दुरुपयोग के खतरे भी हैं। उन्होंने आईटी एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के प्रावधानों पर भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण सरंक्षण के तहत सभी उपस्थित लोगों को जल बचाने की शपथ दिलाई गई।

गोल्ड मेडल विजेता परमानंद मलिक को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। परमानंद मलिक को सम्मानित करती सरोज राठी व अन्य।

बहादुरगढ़। हिमाचल के धर्मशाला में हुए नेशनल एथलेटिक्स गेम्स में दो गोल्ड व एक सिल्वर मेडल विजेता परमानंद मलिक का शुक्रवार को पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी के कार्यालय पर स्वागत व सम्मान किया गया। चेयरपर्सन सरोज राठी ने भी उन्हें मेडल जीतने पर बधाई दी। नप चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि परमानंद मलिक एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अब तक 316 मेडल जीतकर बहादुरगढ़ का नाम राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर चुके हैं। उनके द्वारा प्रशिक्षित किए गए कई बच्चे खेलों के माध्यम से सरकारी नौकरी पाकर राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी ने कहा कि दिल्ली पुलिस से रिटायर्ड परमानंद मलिक तमाम मास्टर प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर मेडल जीतते आ रहे हैं। इस मौके पर पार्षद राजेश तंवर, पवन रोहिल्ला, मुकेश जून, सूबेदार सत्यव्रत कादयान, महेंद्र राठी, संदीप रंगा, अश्वनी मलिक, वीरेंद्र दहिया व जगबीर रूहिल आदि ने भी परमानंद मलिक को मेडल जीतने की बधाई दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सोनू बने पब्लिक हेल्थ क्लेरिकल संगठन के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। बैठक में उपस्थित पब्लिक हेल्थ क्लेरिकल संगठन सदस्य। फोटो: हरिभूमि

शुक्रवार को झज्जर सर्कल में सभी लिपिकिय संवर्ग की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में पब्लिक हेल्थ क्लेरिकल संगठन की जिला कार्यकारिणी का गठन करने बारे विचार-विमर्श करने के बाद सोनू लिपिक को निर्विरोध जिला प्रधान चुना गया। मीटिंग की अध्यक्षता संगठन के राज्य महासचिव सुरेंद्र सिंह सुहाग ने की जबकि राज्य सलाहकार विक्रम सिंह की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई। इसके अलावा जितेंद्र लिपिक को कोषाध्यक्ष बनाया गया है तथा दोनों पदाधिकारी अब कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का चुनाव करेंगे।

बिरधाना में जिप चेयरमैन ने किया फिरनी निर्माण का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

झज्जर। फिरनी निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए जिला परिषद चेयरमैन कप्तान बिरधाना। फोटो: हरिभूमि

जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना ने शुक्रवार को गांव बिरधाना में 36 लाख रुपये की लागत से बनने वाली फिरनी के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि बिरधाना के सर्वांगीण विकास की दिशा में यह एक और अहम कदम है। फिरनी रोड का निर्माण गांव को चारों ओर से जोड़ने, वर्षा जल की निकासी, स्वच्छता और सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। गांव वासियों की वर्षों पुरानी इस मांग को अब भाजपा सरकार की विकासशील सोच और जनसेवा की भावना से पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर राजीव दहिया, जयवीर, रामबीर दहिया, बलजीत, सुरजे, कुलदीप सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण ने किया अधर्मी कंस का वध

बहादुरगढ़। कथा के दौरान उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर के छोटूराम नगर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन शुक्रवार को वृंदावन से आए पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने महारास, कंस वध के अतिरिक्त भगवान श्रीकृष्ण-रूकमणी विवाह की कथा का वर्णन किया।

कार्यक्रम के यजमान पार्षद राजकुमारी हरिमोहन धाकरे सपरिवार थे। श्रीकृष्ण रूकमणी विवाह का वर्णन करते हुए पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने बताया कि विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री रूकमणी मन ही मन श्रीकृष्ण को बहुत चाहती थी, परंतु रूकमणी के पिता और भाई श्रीकृष्ण से जलते थे। इसलिए उन्होंने रूकमणी का रिश्ता शिशुपाल से तय कर दिया। जब रूकमणी को इस बात का पता लगा तो उसने श्रीकृष्ण के पास पत्र भेजकर उसका अपहरण करने के लिए कहा। संदेश पाकर श्रीकृष्ण ने ऐसा ही किया और वे रूकमणी का हरण करके ले गए। चल रही श्रीमद्भागवत कथा का छठा दिन विशेष रहा। कथा व्यास ने भगवान कृष्ण द्वारा कंस वध और जरासंध से भक्तों की रक्षा की कथा सुनाई। पंडित कृपाशंकर जी महाराज ने बताया कि भगवान कृष्ण ने धर्म को बाधित करने वाले कंस का वध किया। इसके बाद कंस के ससुर जरासंध के प्रकोप से भक्तों की रक्षा के लिए समुद्र में द्वारिकापुरी का निर्माण किया।